3. टूटा पहिया

१) पंक्तियों का आशय लिखें।

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत!
क्या जाने; कब
इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए!

आधुनिक हिन्दी के प्रसिद्ध कवि श्री धर्मवीर भारती की महाभारत युद्ध के प्रसंग को आधार बनाकर लिखी गई प्रतीकात्मक कविता टूटा पहिया में यह संदेश देना चाहता है कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा न करना चाहिए।

कविता के माध्यम से कवि कहते हैं कि मैं भले ही रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ, किंतु मुझे बेकार समझकर मत फेंको। क्योंकि इस दुरूह चक्रव्यूह में अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाएगा। तब मैं ही उसका सहारा बन सकता हूँ। यहाँ टूटा पहिया मानवीय मूल्यों का, चक्रव्यूह जीवन की विषमताओं का और अभिमन्यु शोषण से पीड़ित आम जनता का प्रतीक है। प्रस्तुत पंक्तियों के ज़रिए कवि यह व्यक्त करना चाहते हैं कि जिस प्रकार टूटा पहिया अभिमन्यु के लिए उपयोगी बना, उसी प्रकार आज के अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में आम जनता के लिए इस टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य ही काम आएगा।

मनुष्यों को अपनी मानवीय मूल्यों को त्याग न करने का उपदेश देनेवाली यह कविता हर तरह से बिलकुल प्रासंगिक तथा अच्छी है। कवि ने कविता में सरल शब्दों का प्रयोग किया है, जिससे उन्हें अपने उद्देश्य कथन में पूर्ण रूप से सफलता मिली है।

२) अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बड़े-बड़े महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें।
- इन पंक्तियों के आशय पर चर्चा करें।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी महाभारत युद्ध में बड़े-बड़े महारथी मिलकर निहत्थे अभिमन्यु पर आक्रमण किया था। किसीने अभिमन्यु की असहाय आवाज़ पर ध्यान नहीं दिया। उसी प्रकार आज भी आम जनता या उपेक्षित मानव अधर्म और अत्याचार से लड़ते रहते हैं। जिन लोगों को इन अत्याचारों को रोकने का अधिकार है, वे भी अधार्मिकों के पक्ष लेते हैं।

३) तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथों में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!
- इन पंक्तियों में चर्चित पौराणिक संदर्भ वर्तमान परिवेश में कहाँ तक प्रासंगिक है?

चक्रव्यूह में फँसे निहत्थे अभिमन्यु ने रथ के टूटे हुए पहिए से शत्रुओं के ब्रह्मास्त्रों का सामना करता है। उसी प्रकार शासक वर्ग अपने अधिकार और शक्ति के ज़रिए आम जनता पर अत्याचार करते समय इससे मुक्ति पाने केलिए उनको मानवीय मूल्यों का सहारा लेना पड़ेगा।

४) इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड़ जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!
- इन पंक्तियों से कवि क्या बताना चाहते हैं?

आज के इस बदलते युग में भी इतिहास की सामूहिक गति सत्य और धर्म को छोड़कर असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है। तब सत्य के पक्ष, आम जनता को अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में तुच्छ माननेवाले इस टूटा हुआ पहिया यानी मानवीय मूल्य का सहारा लेना पड़ेगा। इसलिए हमें टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य की उपेक्षा नहीं करना चाहिए। मुसीबत के अवसर पर अभिमन्यु केलिए टूटा पहिया कैसे उपयोगी बना उसी प्रकार आम जनता केलिए मानवीय मूल्य काम आएगा।

5) कवि ने टूटे हुए पहिए को मत फेंकने को क्यों कहा गया है?
कवि के अनुसार जिस चीज़ को हम फालतू समझकर फेंक देते हैं, उसका कभी उपयोग करने का मौका आ सकता है। महाभारत युद्ध में महारथियों का मुकाबला करने केलिए अभिमन्यु ने रथ के टूटे हुए पहिए का सहारा लिया था। उसी प्रकार शोषण से पीडित आम जनता केलिए शासक वर्ग के अधर्म और अत्याचार के खिलाफ मानवीय मूल्य रूपी यह टूटा पहिया काम आएगा।

6) अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है?
अभिमन्यु चक्रव्यूह में प्रवेश करना जानता था। लेकिन उससे बाहर निकलने का रास्ता उसे पता नहीं था। ऐसा में इसके अंदर घुसना एक तरह से दुस्साहस है।

7) 'टूटा पहिया' कविता के कवि कौन हैं?
धर्मवीर भारती

8) कवि के मत में अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देगा?
अभिमन्यु

9) ब्रह्मास्त्रों से लोहा लेने में किसने अभिमन्यु की मदद की?
टूटा पहिया

10) कविता में किसका पक्ष असत्य का है?
बड़े-बड़े महारथी का (कौरवों का)

11) चक्रव्यूह में कौन फँस गया था?
अभिमन्यु

12) कविता में अकेली निहत्थी आवाज़ किसकी है?
अभिमन्यु की

13) अभिमन्यु किसको चुनौती दे रहा था?
अक्षौहिणी सेनाओं को

14) सच्चाई किसका आश्रय लेती है?
टूटे हुए पहियों का

⇒ क्रिया का सीधा संबंध किस शब्द के साथ है?
① सकता हूँ Ans:- मैं

⇒ आशयवाली पंक्तियाँ कविता से चुनकर लिखें।
① "सत्य का पक्ष टूटे हुए पहियों का सहारा ले सकता है।"
Ans:- सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले!
② "भले ही मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ, किंतु मुझे बेकार समझकर मत छोड़ो।"
Ans:- मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ लेकिन मुझे फेंको मत!
③ "इतिहास की गति झूठे मार्ग पर चलने लगती है।"
Ans:- इतिहासों की सामूहिक गति सहसा झूठी पड़ जाने पर
④ "अभिमन्यु मेरे सहारे ब्रह्मास्त्रों का सामना कर पाएगा।"
Ans:- उसके हाथों में ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!
⑤ "अकेले पड़े निहत्थे के शब्द को भी अपने अधिकार के ज़रिए मिटा देना चाहेंगे।"
Ans:- अकेली निहत्थी आवाज़ को अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
⑥ "चतुरंगिणी सेनाओं को ललकार देते हुए कोई अभिमन्यु जैसे आहसी आकर फँस जाएगा।"
Ans:- अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए!

⇒ 'टूटा पहिया' किसका प्रतीक है?
Ans:- लघुमानव का/मानवीय मूल्य का
② अभिमन्यु - शोषण से पीडित आम जनता का
③ चक्रव्यूह - जीवन की विषमताओं का
④ ब्रह्मास्त्र - शासक वर्ग द्वारा अधिकार और शक्ति के दुरुपयोग का
⑤ अक्षौहिणी सेना - अधर्मियों के संघ का
⑥ महारथी लोग - असत्य और अधर्म का

⇒ 'झूठ' शब्द का समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें।
Ans:- असत्य
② 'अचानक' - Ans:- सहसा
③ 'निहत्थी' - Ans:- निहत्थी
④ 'सहारा' - Ans:- आश्रय
⑤ 'चक्र' - Ans:- पहिया
⑥ 'शब्द' - Ans:- आवाज़

⇒ 'सामना करना' के अर्थ में प्रयुक्त मुहावरा कौन-सा है?
Ans:- लोहा लेना
② 'फँस जाना' Ans:- घिर जाना
③ 'सहारा लेना' Ans:- आश्रय लेना
④ 'शत्रु का सर्वनाश कर देना' Ans:- कुचल देना

⇒ 'महारथी' शब्द का विशेषण शब्द कविता से लिखें।
Ans:- बड़े-बड़े
② 'चक्रव्यूह' Ans:- दुरूह
③ 'अभिमन्यु' Ans:- दुस्साहसी
④ 'आवाज़' Ans:- निहत्थी
⑤ 'पहिया' Ans:- टूटा/टूटा हुआ

⇒ 'एक' शब्द के बदले 'दूसरे' शब्द के प्रयोग करके वाक्य बदलकर लिखें।
① मैं लोहा ले सकता हूँ। (वे)
Ans:- वे लोहा ले सकते हैं।
② मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ। (तू)
Ans:- तू रथ का टूटा हुआ पहिया है।

15. कौन ब्रह्मास्त्रों से लोहा सकता हूँ?
टूटा पहिया
16. कविता में 'मैं' का प्रयोग किसकेलिए किया गया है?
टूटा पहिया